Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.712
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2604S01V14P001

e-ISSN No. 2394-8426
Special Issue on Scientific Research Apr'26
Issue–IV(I), Volume–XIV

संयुक्त राश्ट्र भाान्ति अभियानों में भारत की विरासत : संक्षिप्त लेख

अमित कुमार
भाोधार्थी
राजनीति विज्ञान विभाग
बरेली कॉलेज, बरेली।
amitk81580@gmail.com

प्रो0 (डॉ0) मनमीत कौर
विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग
बरेली कॉलेज, बरेली।
manmeetbly@gmail.com

भाोध सार :

यह भाोध पत्र संयुक्त राश्ट्र संघ के भाान्ति अभियानों में भारत का योगदान व संघ के सिद्धांतो, आद ाों और मूल्यों में भारत की आस्था का अध्ययन करता है। संयुक्त राश्ट्र के भाान्ति अभियान, कोरिया समस्या, हिन्द चीन की समस्या, कुवैत समस्या, कम्बोडिया की समस्या के समाधान में भारत ने भाान्ति पूर्वक मध्यस्थता की भारत वै ि वक स्तर पर भाान्ति सौहर्द और वसुधैव् कुटुम्कम् की नीति का अनुसरण करता है। भारत संयुक्त राश्ट्र के लक्ष्य उपनिवे ाीकरण, भाास्त्रीकरण और वै ि वक स्तर पर आतंकवाद को समाप्त करना व संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना है भारत वि ाालत्तम् लोकतांत्रिक दे ा है जो मानवता के मूल्यों, स्वतंत्रता, समानता और अधिकार का प्रबल समर्थक रहा है। भारत ने समय–समय पर अपनी सूझबूझ व नेतृत्व कौ ाल के द्वारा वै ि वक विवादों को भाांतिपूर्ण हल करने का प्रयास किया है और संयुक्त राश्ट्र संघ के सिद्धांतो उद्दे यों को वै ि वक सदस्य राश्ट्र को मानने का सुझाव दिया है।

कुंजी भाब्द : नि"ास्त्रीकरण, उपनिवे"ावाद, कम्बोडिया समस्या, वियतनाम समस्या, लोकतांत्रिक, स्वतंत्रता, समानता।

प्रस्तावना :

संयुक्त राश्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 में हुई जिसका प्राथमिक लक्ष्य वै ि वक भाान्ति एवं सुरक्षा को कायम रखना और अन्तर्राश्ट्रीय विवादों का भाान्ति पूर्वक समाधान करना, जिससे वै ि वक स्तर पर युद्ध व हिंसा को रोका जा सके। संयुक्त राश्ट्र का उद्दे य सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं मानवीय गरिमा को सुरक्षित कर अन्तर्राश्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। संयुक्त राश्ट्र और भारत के लक्ष्यों में समानता होने के कारण भारत ने प्रारम्भ से ही संयुक्त राश्ट्र के विविध भाान्ति अभियानों का पुरजोर सर्मथन किया है और स्वयं वै ि वक स्तर पर भाान्ति का संदे ा देकर संयुक्त राश्ट्र के लक्ष्यों को सार्थक बनाया है। 2,90,000 सैनिक 50 से अधिक संयुक्त राश्ट्र अभियानों में भाग ले चुके हैं, वर्तमान में 5000 से अधिक भारतीय सैनिक 9 सक्रिय अभियानों में तैनात हैं, अन्तर्राश्ट्रीय भाान्ति को बढ़ावा देने के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रहे हैं, संयुक्त राश्ट्र भाान्ति सैनिको को ब्लू हेलमेट के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इनका नाम संयुक्त राश्ट्र के झंडे के हल्के नीले रंग से लिया गया है। 1947 में संयुक्त राश्ट्र ने इस रंग को मान्यता दी क्योंकि नीला रंग भाान्ति का प्रतीक होता है, जबकि लाल रंग को युद्ध से जोड़ दिया जाता है। 1947 से नीला रंग संयुक्त राश्ट्र का प्रतीक बन गया वर्श 2023 में भारत को संयुक्त राश्ट्र का सर्वोच्च भाान्ति सम्मान डैग हैमर ाॉल्ड पदक प्रदान किया जो भारतीय भाान्ति सैनिको ि ा ुपाल सिंह, सॉबला राम वि नोई और नागरिक संयुक्त राश्ट्र कार्यकर्ता भाबर ताहिर अली को कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य में उनके बलिदान के लिए मरणोपरांत प्रदान किया गया। 24 से 25 फरवरी 2025 की संयुक्त राश्ट्र भाान्ति स्थापना केन्द्र (सीयूएनपीके) ने नई दिल्ली के मॉनेक ाॉ सेंटर पर वै ि वक दक्षिण महिला भाांति सैनिक सम्मेलन की मेजबानी की दो दिवसीय कार्यक्रम में 35 दे ाों की महिला भाान्ति

सैनिको ने भान्ति स्थापना अभियानों में महिलाओं की बदलती भूमिका और उनकी भागीदारी बढ़ाने में राजनीतिक चर्चा की।

अन्तर्राश्ट्रीय भान्ति – संयुक्त राश्ट्र वै वक स्तर पर भान्ति और सुरक्षा बनाये रखने के लिए प्रतिवद्ध है जो भास्त्रीकरण साम्राज्यवाद एवं उपनिवे ावाद, जातिभेद तथा रंगभेद की समाप्ति का समर्थन करता है। अन्तर्राश्ट्रीय कानून की प्रतिश्ठा स्थापित करना स्वतंत्र एवं निश्पक्ष चुनावों का आयोजन वै वक स्तर पर लोकतांन्त्रिक मूल्यों को सुरक्षित करता है, संयुक्त राश्ट्र भान्ति स्थापना की भुरूआत 1948 में हुई जब प चम ए ाया में संयुक्त राश्ट्र युद्ध विराम पर्यवेक्षण संगठन (UN + SQ) की स्थापना हुई भुरू में भान्ति मि ान निहत्थे थे और उनका मुख्य उद्दे य निरीक्षण और मध्यस्थता पर केन्द्रित थे।

संयुक्त राश्ट्र संघ के भान्ति अभियानों में भारत की भूमिका – संयुक्त राश्ट्र भान्ति अभियानों में भारत ने प्रभाव ाली भूमिका निभाई जो 1953 में कोरिया संकट से प्रारम्भ हुई भारत की अहिंसा के प्रति आस्था उसके मूल द र्शन में निहित हैं और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का प्रभावी सर्मथक रहा है। जो मानवता के परस्पर सम्बन्ध और भान्ति पूर्ण सहअस्तीत्व पर जोर देती है।

कोरिया समस्या के समाधान में भारत योगदान – 25 जून 1950 को संयुक्त राश्ट्र को सूचना दी गई कि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरियाई गणराज्य पर आक्रमण किया है, संयुक्त राश्ट्र ने संघ के सदस्यों की बैठक बुलाई और कहा कि भान्ति भंग हुई है। 27 जून 1950 को सदस्य राज्यों को आदे ा दिया और अपनी वायु तथा जल सेनाओं और बाद में स्थल सेनाओं को दक्षिण कोरिया की सहायता के लिए आज्ञा दे दी। और 38वीं समानान्तर रेखा को पार किया भारत ने इसका विरोध किया और कोरिया की समस्या समाधान में भारत ने सक्रिय योगदान दिया और अपनी सूझ बूझ व नेतृत्व कौ ाल से 27 जुलाई 1953 को यानमुन जोन में कोरिया युद्ध विराम सन्धि पर हस्ताक्षर हुए।

हिन्द चीन की समस्या और भारत – द्वितीय वि व युद्ध से पहले हिन्द चीन पर फ्रांस का अधिकार था परन्तु युद्ध में इसे जापान ने जीत लिया जापान के आत्मसर्मपण के समय हिन्द चीन के उत्तरी भाग पर राश्ट्रवादी चीन और दक्षिणी भाग पर ब्रिट्रेन ने अधिकार कर लिया, फ्रांस ने दक्षिणी भाग पुनः ब्रिट्रेन से प्राप्त कर लिया, वियतनाम में स्वधीनता प्राप्ति के लिए वियनमिन्हा नामक संस्था की स्थापना की जिसने फ्रांस से मुक्ति पाने के लिए संघर्श प्रारम्भ कर दिया चीन में साम्यवादी भासन स्थापित हो जाने से सन् 1949 ने वियनमिन्हा सेना ने साम्यवादी सहयोग के आधार पर फ्रांस की सेवाओं पर भयंकर आक्रमण कर दिया साम्यवादी प्रसार को रोकने के लिए अमेरिका ने फ्रांस की सहायता की पाँच वर्श तक युद्ध चलता रहा 5 अप्रैल 1954 को अमेरिकी सैनिकों ने हिन्द चीन को साम्यवादी प्रभाव से अलग रखा।

25 अप्रैल 1954 को भारत के प्रधानमंत्री पं0 जवाहरलाल नेहरू ने हिन्द चीन की समस्या का समाधान करने के लिए जेनेवा सम्मेलन में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई 21 जून 1954 को जेनेवा सम्मेलन में साम्यवादी चीन की उपास्थिति में युद्ध विराम पर हस्ताक्षर हो गये।

कुवैत समस्या और भारत – 2 अगस्त 1990 में इराक ने कुवैत पर हमला कर दिया जिसके कारण संयुक्त राश्ट्र संघ में खाड़ी संकट का मुद्दा छाया रहा भारत ने कुवैत से इराक की फौजों को वापस होने को कहा और कुवैत की सम्प्रभुत्ता तथा स्वाधीनता की बहाली की माँग की भारत ने अपने कु ाल नेतृत्व कौ ाल से कुवैत समस्या का समाधान किया और खाड़ी संकट में भान्ति और सहयोग का संदे ा दिया।

कम्बोडिया और भारत – कम्बोडिया मामले के सम्बन्ध की गई गतिविधियों का परिणाम 23 अक्टूबर 1991 को पेरिस में एक व्यापक भान्ति समझौते के रूप में हुई तब से संयुक्त राश्ट्र ने कम्बोडिया में संयुक्त राश्ट्र कार्मियों की बड़े पैमाने पर तैनाती करने की दि ाा में कदम उठाये कम्बोडिया में अग्रिम दल

Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.712
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2604S01V14P001

e-ISSN No. 2394-8426
Special Issue on Scientific Research Apr'26
Issue–IV(I), Volume–XIV

तैनात किया गया जिसमें भारत ने भी अपना योगदान दिया भारत ने कम्बोडिया के लिए संयुक्त राश्ट्र संक्रमणकालीन प्राधिकरण में योगदान दिया। इस कार्य के लिए भारत ने सभी रैंकों के लगभग 1,300 सैनिक वहाँ भेजे।

29 मई 2021 तक नौ संयुक्त राश्ट्र”ाान्ति मि”ान, जिनमें भारतीय स”ास्त्र बल भाामिल

मि”ान का नाम	जगह	भारत का योगदान
संयुक्त राश्ट्र डिसइंगेजमेंट पर्यवेक्ष	गोलान हाइट्स	रसद् सुरक्षा के लिए 188 कर्मियों वाली रसद बटालियन
लेवनान में संयुक्त राश्ट्र अंतरिम बल (यूएन आई एफ आई एल)	लेबनान	762 कार्मियों वाला इन्फ्रैंट्री बटालियन समूह
संयुक्त राश्ट्र युद्ध विराम पर्यवेक्षण संगठन (UNTSO)	पि चम एि ाया	सैन्य पर्यवेक्षक और सहायक एि ाया, स्टाफ
पि चमी सहारा में जनमत संग्रह के लिए संयुक्त राश्ट्र मि ान (MINURSO)	पि चमी सहारा	सैन्य पर्यवेक्षकों की तैनाती
मध्य अफ्रिकी गणराज्य में संयुक्त राश्ट्र बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मि ान (UINUSCA)	मध्य अफ्रिकी गणराज्य	गठित पुलिस इकाइयाँ (FPU) और सैन्य पर्यवेक्षक
अबेई के लिए संयुक्त राश्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (UNIFSA)	अबेई	सैन्य पर्यवेक्षक और स्टाफ अधिकारी
दक्षिणी सूड़ान में संयुक्त राश्ट्र मि ान (UNMISS)	दक्षिण सूड़ान	इन्फ्रैंट्री बटालियन, चिकित्सा कर्मी और अभियान्त्रिकी इकाईयां
कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य में संयुक्त राश्ट्र संगठन स्थिरिकरण मि ान (MONUSCO)	कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य	इन्फ्रैंट्री बटालियन, चिकित्सा इकाइया और सहायक स्टाफ
साइप्रस में संयुक्त राश्ट्र भाान्ति सेना	साइप्रस	अधिकारियों की स्टाफ और सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनाती

भारत वैि वक स्तर पर दक्षिणी दे ाों को उनकी भाान्ति स्थापना की क्षमताओं को विकसित करने और सभी राश्ट्रों की सम्प्रभुता का आदर सम्मान करने के लिए समर्पित है, संयुक्त राश्ट्र के माध्यम से भारत वैि वक स्तर पर भाान्ति के विविध मुद्दों पर यथा महिला स ाकितकर, नि: ास्त्रीकरण अतंकवाद की समाप्ति मि ानों पर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है,

निम्नलिखित तालिका में कुछ प्रमुख संयुक्त राश्ट्र भाान्ति मि”ानों का सारां”ा दिया गया जिसमें भारत भाामिल रहा –

मि”ान का नाम	जगह	वर्श	भारत का योगदान
कोरिया में संयुक्त राश्ट्र अभियान	कोरिया	1950–54	संयुक्त राश्ट्र बलों को चिकित्सा कवर, युद्ध बन्दी प्रत्यावर्तन आयोग के अध्यक्षता (जनरल थिमैया)
इंडो चाइना का नियंत्रण	इंडोचाइना	1954–70	युद्ध विराम की निगरानी और युद्ध

	(वियतनाम कंबोडिया, लाओस)		बन्दियों के प्रत्यावर्तन के लिए एक इन्फ्रैंट्री बटालियन और सहायक स्टाफ प्रदान किया गया।
कोरिया में संयुक्त राश्ट्र अभियान	कोरिया	1950–54	संयुक्त राश्ट्र बलों को चिकित्सा कवर प्रदान किया, तटस्थ राश्ट्र प्रत्यावर्तन आयोग की अध्यक्षता की
संयुक्त राश्ट्र आपातकालीन बल (यूएनईएफ)	पि चम एि िया	1956–67	एक इन्फ्रैंट्री बटालियन और अन्य सर्पोट एलिमेंट्स के लिए योगदान
संयुक्त राश्ट्र अंगोला सत्यापन मि ान (यूएनएवीईएम)	अंगोला	1989–99	सैन्य पर्यवेक्षक और स्टाफ अधिकारी उपलब्ध कराए गए
रवांडा के लिए संयुक्त राश्ट्र सहायता मि ान (यूएनएएमआईआर)	रवांडा	1994–96	चिकित्सा कर्मो और रसद सहायता प्रदान की गई।
सोमालिया में संयुक्त राश्ट्र अभियान(यूएनओएसओएम II)	सोमालिया	1993–94	एक सेना ब्रिगेड समूह और चार नौसेना युद्धपोतों को तैनात किया गया।
कांगो में संयुक्त राश्ट्र अभियान (ओएनयूसी)	कांगो	1960–64	अलगाववाद का मुकाबला करने और दे ा को पुनः एकीकृत करने के लिए दो ब्रिगेड की तैनाती की गई।
संयुक्त राश्ट्र आपातकालीन बल (यूएनईएफ I)	पि चम एि िया	1956–67	एक इन्फैंट्री बटालियन और अन्य सपोर्ट एलिमेंट्स के लिए योगदान दिया।
लेबनान में संयुक्त राश्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल)	लेबनान	1998–वर्तमान	762 कार्मियों और 18 स्टाफ अधिकारियों वाला इन्फैंट्री बटालियन समूह
लाइबेरिया में संयुक्त राश्ट्र मि ान (यूएनएमआईएल)	लाइबेरियम	2007–16	पुरूश और महिला दोनों एफपीयू तैनात किए गए।
इथियोपिया और इरिट्रिया में संयुक्त राश्ट्र मि ान (यूएनएमईई)	इथियोपिया इरिट्रिया	2006–08	एक इन्फैंट्री बटालियन समूह एक इंजीनियर कंपनी और एक फोर्स रिजर्व कंपनी का योगदान दिया।
हैती में संयुक्त राश्ट्र स्थिरीकरण मि ान (एमआईएनयूएसटीएएच)	हैती	2004–17	विभिन्न पुलिस बलों से गठित पुलिस इकाइयों (एफपीयू) का योगदान दिया गया।
सिएरा लियोन में संयुक्त राश्ट्र मि ान	सेरा लिओन	1999–2001	इन्फैंट्री बटालियन

(यूएनएएमएसआईएल)			
दक्षिण सूडान में संयुक्त राश्ट्र मि ान (यूएनएमआईएसएस)	दक्षिण सूडान	2012 वर्तमान	इन्फैंट्री बटालियन, चिकित्सा कर्मी, और अभियांत्रिकी इकाइयां
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राश्ट्र संगठन स्थिरीकरण मि ान (एमओएनयूएससीओ)	डी.आर.कांगो	2010 वर्तमान	इन्फैंट्री बटालियन, चिकित्सा इकाइयां और सहायक स्टाफ
गोलान हाइट्स में संयुक्त राश्ट्र मि ान (यूएनडीओएफ)	गोलान हाइट्स	2006 से वर्तमान	रसद सुरक्षा के लिए 188 कर्मियों वाली रसद बटालियन
सूडान में संयुक्त राश्ट्र मि ान (यूएनएमआईएस / यूएनएम आईएसएस)	सूडान / दक्षि ण	2005–अब तक	बटालियन समूह इंजीनियर कंपनी, सिग्नल कंपनी, अस्पताल, सैन्य पर्यवेक्षक (एमआईएलओबी) और स्टाफ अधिकारी (एसओ)
कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राश्ट्र संगठन मि ान (एमओएनयूसी / एमओएनयू एससीओ)	डी.आर.कांगो	2005–अब तक	इनफैंट्र ब्रिगेड गुप (आरडीबी सहित लोन बटालियन) अस्पताल
मध्य अफ्रीकी गणराज्य में संयुक्त राश्ट्र सहायता मि ान (एमआईएनएूएससीए)	मध्य अफ्रीकी गणराज्य	2014	गठित पुलिस इकाइयां (एफपीयू) और सैन्य पर्यवेक्षक

भाान्ति स्थापना में महिलाएं सहयोग, सहभागिता संघर्श के समाधान में बढ़चढ़कर अपनी भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की जागरूकता व उनकी उपस्थिति यौन हिंसा को रोकने में मदद करती हैं। समाज के बीच वि वास का निर्माण करती है और बेहतर समावे ाी व स्थाई भान्ति को बल मिलता है। इन लाभों के बाबजूद भान्ति अभियानों में अनुपातहीन रूप से कम हैं।

संयुक्त राश्ट्र के 70,000 भान्ति सैनिकों में महिलाओं की संख्या 10 प्रति ात से भी कम हैं। जिसमें सैन्य कर्मी, पुलिस अधिकारी और पर्यवेक्षक भाामिल हैं।

संयुक्त राश्ट्र ने लैंगिक समावे ि ाता, लैंगिक भेद–भाव को देखते हुए 2028 सैन्य टुकड़ियों में 15 प्रति ात और पुलिस इकाइयों में 25 प्रति ात महिलाओं की भागीदारी का लक्ष्य रखा है।

महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व के लिए सन् 2000 से संयुक्त राश्ट्र सुरक्षा परिशद (UNSC) के प्रस्ताव 1325 के साथ भाुरू हुआ जिसने संघर्श की रोकथाम भाान्ति वार्ता सहयोग और संघर्श के बाद पुर्ननिर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को औपचारिक रूप में मान्यता दी गई इसके बाद महिला, भाांति और सुरक्षा (WPS) प्रस्तावों की एक कड़ी आई जिसमें 1820, 1888, 1889, 2122 और 2292 भाामिल

है, जिसने भान्ति प्रयासों में महिलाओं के नेतृत्व की आव यकता को और मजबूत किया और संघर्श से सम्बन्धित यौन हिंसा के खिलाफ एक मजबूत रूख अपनाया।

फील्ड मि"ान (2022) में वर्दीधारी भाान्ति कर्मियों में महिलाओं की संख्या 7.9 प्रति ात थी। जो 1999 में सिर्फ एक प्रति ात थी। सैन्य टुकड़ियों में 5.9 प्रति ात पुलिस बलों में 14.4 प्रति ात और न्याय, तिथि और सुधार भूमिकाओं में 43 प्रति ात भाामिल थीं। नागरिक कर्मियों में 43 प्रति ात भाामिल थी।

सैन्य भाान्ति सैनिकों में महिलाओं का महत्व–संयुक्त राश्ट्र सैन्य भाान्ति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी विविध प्रकार की रूढ़िवादिता, परम्परा, लैंगिक भेद भाव को समाप्त करती है, और सहयोग, समावे ाता को बल मिलता है।

संदर्भ

- डॉ0 कुलदीप फड़िया, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, 2016, पृ0 16 ।
- डॉ0 एस०सी० सिंहल, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, 2020
- प्रो० वी०एल० फड़िया एवं डॉ० कुलदीप फड़िया (2021) अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति साहित्य भवन, 22वाँ संस्करण, पृ0 89।
- संयुक्त राष्ट्र एक अति संक्षिप्त परिचय, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, द्वितीय संस्करण, पृ0 121
- पाल कैनेडी (2007) द पार्लियामेण्ट ऑफ मैन द पास्ट प्रजेंट एण्ड फ्यूचर ऑफ द यूनाइटेड नेशंस बिनटेज बुक्स, पृ0 88 1
- डॉ० शिक्षा रानी (2021) संयुक्त राष्ट्र : एक परिचय ईर्स्टन बुक, पृ0 1251
- स्टीफन सी0 स्लेसिंगर (2003) एक्ट ऑफ क्रिएशनरू द फाउन्डिंग ऑफ द यूनाइटेड नेशन्स, ब्यू प्रेस, पृ० 321
- MEA S Jaishankar Speech
- https://www.un.org/en/global-issues/peace-and-security
- https://peacekeeping.un.org/en/what-is-peacekeeping
- https://indembassy.amman.gov.in/pdf/25012024India:20 and:20UN :20 India's : 20Contribution:20to:20UNPK:20Missions.doc.pdf
- https://peacekeeping.un.org/en/terminology
- https://peacekeeping.un.org/en/our-history
- https://www.un.org/en/exhibits/exhibit/75-years-un-peacekeeping
- https://gallantryawards.gov.in/assets/wars/1.pdf
- https://www.mea.gov.in/Speeches-
- Statements.html:dtl/39099/EAMS remarks during the Inaugural session of the Conference for Women Peacekeepers from the Global South Women in Peacekeeping A Global South_Perspe
- https://www.mea.gov.in/photo.features.html 842/Indias.contribution.to.UN
- https://www.pminewyork.gov.in/pdf/menu/submenu668040979.pdf https://pminewyork.gov.in/pdf/menu/submenu 1260383365.pdf
- https://pib.gov.in/Press ReleasePage.aspx?PRID=2022052United Nations In India

- https://peacekeeping.un.org/en/women-peacekeeping
- https://indembassy:amman.gov.in/pdf/25012024India:20and:20UN:20India's:20Contribution:20to:20UNPK:20Missions.doc.pdf
- https://www.mea.gov.in/Speeches-Statements.htm?dtl/39099/EAMS remarks during the Inaugural_session. of the Conference for Women Peacekeepers from the Global South Women in Peacekeeping A Global SouthPerspe#text =4.:E2:80:8B:20India:20has:20been.trail:20for:20others: 20to:20follow.
- https://www.mea.gov.in/Speeches:Statements.htm?dtl/39099/EAMS remarks during the Inaugural_session_ of the Conference for Women Peacekeepers from the Global South Women in Peacekeeping A Global SouthPerspe#text=4.:E2:80:8B:20India:20has:20been.trail:20for:20others:20to:20follow